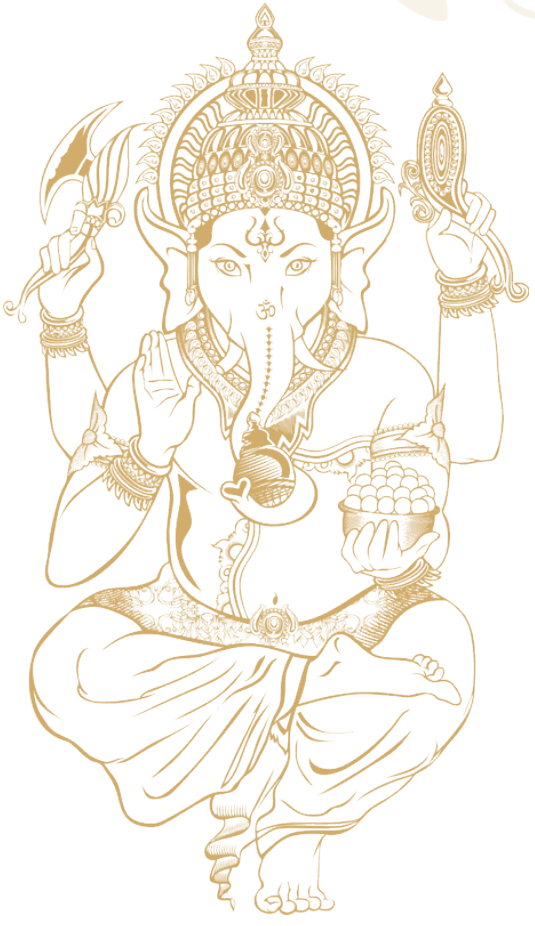

Falguni

01 Jul 2007

08:45 AM

Ambala Cantt

Model: web-freekundliweb

Order No: 121475313

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/07/2007**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:45:00 घंटे**
इष्ट	08:22:05 घटी
स्थान	**Ambala Cantt**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:21:35 उत्तर
रेखांश	76:49:58 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:22:19 घंटे
वेलान्तर	-00:03:44 घंटे
साम्पातिक काल	02:57:33 घंटे
सूर्योदय	05:24:09 घंटे
सूर्यास्त	19:28:30 घंटे
दिनमान	14:04:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:58:55 मिथुन
लग्न के अंश	26:47:29 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	26:47:29	305:43:07	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मिथु	14:58:55	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	सम राशि
चंद्र			धनु	21:42:39	13:02:00	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	10:32:11	00:43:01	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	मिथु	11:22:14	00:33:16	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	17:57:34	00:06:05	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	28:04:50	00:42:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि			कर्क	28:22:06	00:06:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:38	00:08:53	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:38	00:08:53	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:42:24	00:00:22	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:43:13	00:01:05	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	03:22:21	00:01:31	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	22:53:27	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:49

लग्न-चलित

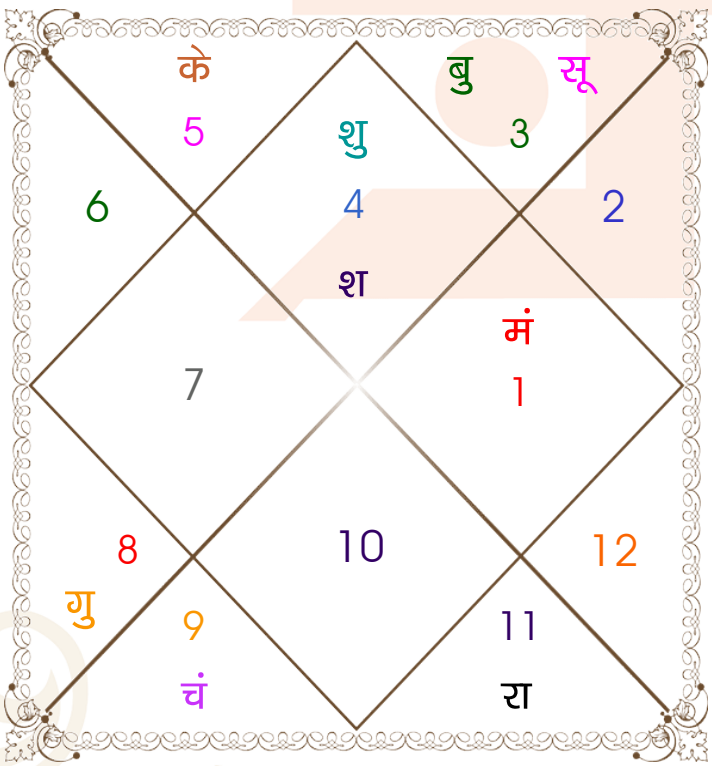

चन्द्र कुंडली

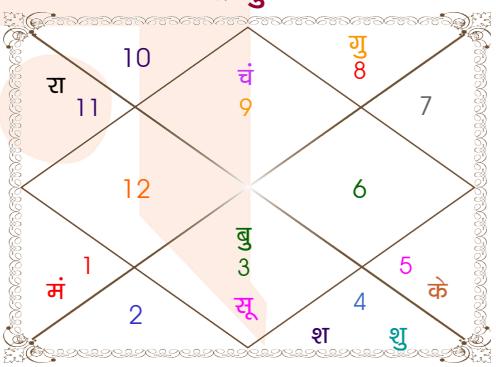

नवमांश कुंडली

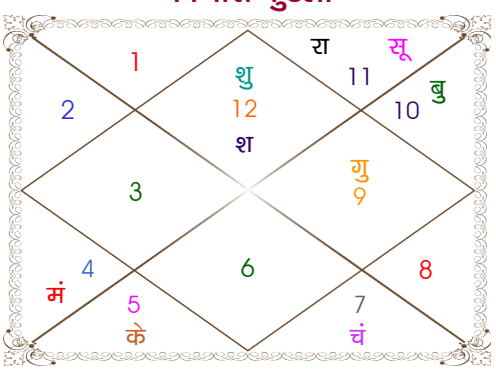

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 5 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/07/2007		06/12/2014		05/12/2020		06/12/2030		06/12/2037	
06/12/2014		05/12/2020		06/12/2030		06/12/2037		06/12/2055	
	00/00/0000	सूर्य	26/03/2015	चंद्र	06/10/2021	मंगल	04/05/2031	राहु	18/08/2040
	00/00/0000	चंद्र	24/09/2015	मंगल	07/05/2022	राहु	22/05/2032	गुरु	11/01/2043
	00/00/0000	मंगल	30/01/2016	राहु	06/11/2023	गुरु	28/04/2033	शनि	17/11/2045
	00/00/0000	राहु	24/12/2016	गुरु	07/03/2025	शनि	06/06/2034	बुध	06/06/2048
	01/07/2007	गुरु	12/10/2017	शनि	06/10/2026	बुध	04/06/2035	केतु	24/06/2049
गुरु	06/10/2007	शनि	24/09/2018	बुध	07/03/2028	केतु	31/10/2035	शुक्र	24/06/2052
शनि	06/12/2010	बुध	31/07/2019	केतु	06/10/2028	शुक्र	30/12/2036	सूर्य	19/05/2053
बुध	06/10/2013	केतु	06/12/2019	शुक्र	06/06/2030	सूर्य	07/05/2037	चंद्र	18/11/2054
केतु	06/12/2014	शुक्र	05/12/2020	सूर्य	06/12/2030	चंद्र	06/12/2037	मंगल	06/12/2055

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/12/2055		06/12/2071		06/12/2090		07/12/2107		07/12/2114	
06/12/2071		06/12/2090		07/12/2107		07/12/2114		00/00/0000	
गुरु	23/01/2058	शनि	09/12/2074	बुध	04/05/2093	केतु	04/05/2108	शुक्र	07/04/2118
शनि	06/08/2060	बुध	18/08/2077	केतु	01/05/2094	शुक्र	04/07/2109	सूर्य	08/04/2119
बुध	12/11/2062	केतु	27/09/2078	शुक्र	01/03/2097	सूर्य	09/11/2109	चंद्र	06/12/2120
केतु	19/10/2063	शुक्र	27/11/2081	सूर्य	05/01/2098	चंद्र	10/06/2110	मंगल	06/02/2122
शुक्र	19/06/2066	सूर्य	09/11/2082	चंद्र	07/06/2099	मंगल	07/11/2110	राहु	05/02/2125
सूर्य	07/04/2067	चंद्र	09/06/2084	मंगल	04/06/2100	राहु	25/11/2111	गुरु	02/07/2127
चंद्र	06/08/2068	मंगल	19/07/2085	राहु	22/12/2102	गुरु	31/10/2112		00/00/0000
मंगल	13/07/2069	राहु	25/05/2088	गुरु	29/03/2105	शनि	10/12/2113		00/00/0000
राहु	06/12/2071	गुरु	06/12/2090	शनि	07/12/2107	बुध	07/12/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।